राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पूर्व सूचित सहमति प्रपत्र

पारंपरिक ज्ञान

हनी बी नेटवर्क

प्रिय पारंपरिक ज्ञानधारक(को),

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (रानप्र) की स्थापना भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा फरवरी २००० में की गई। एक स्वायत्त संस्था के रूप में रानप्र की स्थापना इस उद्देश्य के साथ की गई है कि व्यक्तियों/समुदायों के गैर-सहायता प्राप्त नवप्रवर्तनों और विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान की पहचान की जाए तथा उन्हें आगे बढ़ाने में सहायता प्रदान की जाए। इस पहल से पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण होगा और साथ ही नवप्रवर्तकों तथा ज्ञानसंपन्न लोगों को समाज में उचित स्थान भी प्राप्त होगा। यह पहल भारत को एक नवप्रवर्तनशील समाज बनाने के लिए सहायक सिद्ध होगी। रानप्र, तृणमूल प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों और पारंपरिक ज्ञान के राष्ट्रीय रजिस्टर में शामिल होने वाले नवप्रवर्तनों/पारंपरिक ज्ञान के प्रकटीकरण और/या मूल्य परिवर्धन के लिए, सभी नवप्रवर्तकों / ज्ञानप्रदाताओं से लिखित सहमति व प्राधिकरण प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस पूर्व सूचित सहमति प्रपत्र में दिए गए विभिन्न विकल्पों को समझने के लिए एक व्याख्यात्मक टिप्पणी भी संलग्न की जा रही है। उम्मीद करते हैं कि इसकी मदद से यह प्रपत्र भरना आसान होगा। रानप्र विश्वास दिलाता है कि हमारा प्रत्येक कदम आपके द्वारा बताई गई शर्तों पर ही आधारित होगा। यदि हम आपकी शर्तों में किसी तरह का परिवर्तन चाहेंगे तो उसके लिए भी आपसे लिखित सहमति ली जाएगी।

(हस्ताक्षर)

रानप्र की मुहर

संदर्भ संख्या : .....

पारंपरिक ज्ञानधारक/कों का नाम : ----------

पारंपरिक ज्ञान/हर्बल व्यवहार का नाम : ----------

कृपया उचित खाने में सही (√) का निशान लगाएँ

आपको इस ज्ञान/व्यवहार के बारे में कैसे पता चला

क) बुजुर्गों से ☐ ख) स्वयं से ☐ ग) परिवार में चला आ रहा है ☐ घ) समुदाय ☐

यदि आपने क, ख या ग खाने में निशान लगाया हो तो कृपया खण्ड १ भरें। यदि घ खाने में निशान लगाया हो तो खण्ड २ भरें।

खण्ड १

	हां	नहीं
क) आपके पारंपरिक ज्ञान/व्यवहार में रुचि दिखाने वालों को क्या आपका पता दिया जा सकता है?	☐	☐
ख) क्या रानप्र आपके पारंपरिक ज्ञान को इंटरनेट या हनी बी पत्रिका या अन्य किसी माध्यम में प्रदर्शित/प्रकाशित कर सकता है?	☐	☐
ग) यदि हाँ, तो किस हद तक आप अपने पारंपरिक ज्ञान को बाँटना चाहते हैं?	☐	☐

१. आंशिक प्रकटीकरण/सारांश रुप में ☐

अथवा

२. पूर्ण प्रकटीकरण ☐

घ) क्या आप चाहेंगे कि रानप्र आपके पारंपरिक ज्ञान पर आगे शोध कार्य करे (यदि यह विकल्प लागू हो)।

यदि हाँ, तो कृपया बताएं किस प्रकार .....

.....

खण्ड २

क) समुदाय के मुखिया का नाम -

(१) चुना हुआ .....
(२) परंपरागत .....

ख) क्या इच्छुक लोगों को आपके समुदाय का पता बताया जा सकता है ? हाँ ☐ नहीं ☐

ग) क्या रानप्र आपके पारंपरिक ज्ञान को इंटरनेट या हनी बी पत्रिका या अन्य किसी माध्यम में प्रदर्शित/प्रकाशित कर सकता है? हाँ ☐ नहीं ☐

घ) यदि हाँ, तो किस हद तक रानप्र अपने पारंपरिक ज्ञान को बाँट सकता है?

१. आंशिक प्रकटीकरण/सारांश रुप में ☐

अथवा

२. पूर्ण प्रकटीकरण ☐

ङ) रानप्र में समुदाय के पारंपरिक ज्ञान को भेजने से पहले क्या स्थानीय समुदाय की अनुमति प्राप्त कर ली गई है? हाँ ☐ नहीं ☐

च) उल्लिखित पारंपरिक ज्ञान/सामुदायिक ज्ञान किस हद तक संबंधित समुदाय/यों के बीच विदित और/या व्यवहार में है?

(१) कुछ लोगों को ज्ञात है ☐	कई लोगों को ज्ञात है	व्यापक रूप से ज्ञात है
(२) कुछ लोग उपयोग करते हैं	कई लोग उपयोग करते हैं	व्यापक उपयोग में है

छ) क्या सामुदायिक ज्ञान/व्यवहार में कोई सुधार किया गया है? हाँ नहीं

यदि हाँ, तो कृपया बताएँ किसके द्वारा -

स्वयं ☐ अन्य व्यक्ति द्वारा ☐ ज्ञात नहीं

ज) क्या संबंधित समुदाय को पारंपरिक ज्ञान में किए गए सुधार से अवगत करा दिया है? हाँ ☐ नहीं ☐

घोषणा : मैंने/हमने यह पूर्व सूचित सहमति प्रपत्र ध्यानपूर्वक पढ़ लिया है तथा व्याख्यात्मक टिप्पणी में बताई गई बातें समझ ली हैं। इस प्रपत्र के सभी दिए गए विकल्पों में चयन मैंने/हमने स्वेच्छा से किया है। मैं/हम सहमत हूँ/हैं कि यदि यह पारंपरिक ज्ञान पहले से सुविदित हो या सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध हो तो इस प्रपत्र में लगाई गई शर्तें लागू नहीं होंगी और इसके प्रसार या अनुप्रयोग संबंधी प्रतिबंध भी लागू नहीं होंगे। मैं/हम रानप्र को आश्वस्त करता/करती/करते हूँ/हैं कि ऊपर बताई गई सूचनाएँ मेरी/हमारी जानकारी व विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

हस्ताक्षर ----------

समुदाय / पारंपरिक ज्ञानधारक का नाम और पता ----------

साक्षी/सहयोगी/स्काउट/रानप्र प्रतिनिधि का नाम व पता : ----------

---

साक्षी/सहयोगी/स्काउट/रानप्र प्रतिनिधि के हस्ताक्षर : ----------

स्थान : ----------

दिनांकः ----------

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

ग्रामभारती, अमरापुर, गांधीनगर - महुडी रोड, गांधीनगर - 382650, गुजरात

ईमेल : campaign@nifindia.org, वेब: www.nif.org.in

फोन : 02764261131/32/38/39, फैक्स : +91 22 3916 7115